वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

2020–2021

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय

करणी औद्योगिक क्षेत्र, पूगल रोड़, बीकानेर–334004

वेबसाईट : **www.btu.ac.in** ईमेल : **reg@btu.rajasthan.gov.in**

सलाहकार मंडल

प्रो. हाकम दान चारण
कुलपति

डॉ. नरेन्द्र कुमार थोरी
कुलसचिव

श्री पवन कुमार कस्वाँ
वित्त नियंत्रक

प्रो. सुरेन्द्र कुमार व्यास
अधिष्ठाता,
प्रबंधन संकाय

डॉ. यदुनाथ सिंह
अधिष्ठाता,
अनुप्रयुक्त विज्ञान

डॉ. जयप्रकाश भामू
अधिष्ठाता,
अनुसंधान

डॉ. अजीत सिंह पूनिया
अधिष्ठाता,
संगणक अनुप्रयोग संकाय

डॉ. नरपत सिंह
अधिष्ठाता,
छात्र कल्याण

डॉ. अल्का स्वामी
अधिष्ठाता,
मानव मूल्य शिक्षा

सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादक
डॉ. संजय कुमार बंसल
अधिष्ठाता,
अभियांत्रिकी एवं वास्तुकला संकाय

श्री देवेन्द्र तिवारी
सहायक आचार्य एवं सम्पादक

डॉ. प्रकाश सिंह
सहायक आचार्य एवं सम्पादक

श्री परबन्त सिंह
सहायक आचार्य एवं सम्पादक

:: प्रकाशक ::

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय

करणी औद्योगिक क्षेत्र, पूगल रोड़, बीकानेर, राजस्थान–334001

वेबसाईट : **www.btu.ac.in** ईमेल : **reg@btu.rajasthan.gov.in**

प्रस्तावना

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय की स्थापना 18 मई, 2017 को राज्य सरकार द्वारा की गयी। दिनांक 4 जून, 2018 को जारी की गयी अधिसूचना द्वारा बीकानेर संभाग, जोधपुर संभाग, अजमेर संभाग के नागौर तथा अजमेर एवं जयपुर संभाग के अलवर, सीकर तथा झुंझनु जिलों में स्थित समस्त तकनीकी महाविद्यालयों का प्रशासनिक तथा अकादमिक क्षेत्राधिकार दिनांक 1 जुलाई 2018 को नवसृजित बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय द्वारा पाठ्यक्रमों का अद्यतन किया गया एवं नये पाठ्यक्रम यथा बी.टेक, बी.डिजाइन, एम.टेक एवं एम.बी.ए–एग्री बिजनेस खोले गये।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के साथ ही मूल्य आधारित तकनीकी शिक्षा का संकल्प लिया तथा मानव मूल्य शिक्षा को गति देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय स्तर पर पृथक रूप से **मानव मूल्य शिक्षा संकाय** की स्थापना की गई है। विश्वविद्यालय से संबद्ध समस्त महाविद्यालयों में **वैल्यू सेल–आनंदम** की भी स्थापना की गई है। समस्त पाठ्यक्रमों यथा बी.टेक, बी.डिजाइन, बी.आर्क, एम.टेक., एम.बी.ए., एम.सी.ए., इत्यादि में मूल्य शिक्षा विषय को एक अनिवार्य विषय के रूप में लागू किया गया है। विश्वविद्यालय ने कार्यशालाओं के माध्यम से कुलपति सहित 650 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है। कोरोना महामारी के दौरान, देश में पहली बार विश्वविद्यालय द्वारा एक अभिनव प्रयास के रूप में विद्यार्थियों के लिए आनलाइन कार्यशाला **सुखी जीवनः–आनंदम** का आयोजन किया गया जिसमें 22 कार्यशालाओं के माध्यम से 7500 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। विद्यार्थियों को मूल्य शिक्षा विषय पढ़ाने हेतु प्रशिक्षित शिक्षकों को तैयार करने के उद्देश्य से मास्टर ट्रेनर संकाय सदस्यों की एक समर्पित टीम तैयार की गई है। इसी के साथ विश्वविद्यालय ने मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में देश व विदेश में कार्य करने वाले कई संस्थानों के साथ एम.ओ.यू किए जैसे श्री श्री विश्वविद्यालय,कटक (आर्ट ऑफ लिविंग), विश्व शांति विश्वविद्यालय,पुणे, देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद इत्यादि।

कोरोना महामारी के इस समय में विश्वविद्यालय ने कई अन्य अभिनव प्रयोग किये जैसे सभी शिक्षण कार्यों को ऑनलाइन तरीके से सम्पन्न किया गया, विद्यार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से ट्रेनिंग करवायी गयी, सभी कक्षाएं समय से सम्पन्न की गयी, सभी सेमेस्टर्स की परीक्षा समय पर सम्पन्न करने के साथ ही परीक्षा परिणाम भी समय से जारी किये गये। विश्वविद्यालय द्वारा इसी समय में सभी संबद्ध महाविद्यालयों का ऑनलाइन निरीक्षण तथा रैंकिंग एवं ग्रेडिंग भी किया गया, इसी के साथ ऑनलाइन अध्ययन बोर्डए प्रबंध बोर्ड तथा अकादमिक परिषद की बैठकें भी समय पर की गयी। इसी समय में बड़ी मितव्ययता के साथ ऑनलाइन माध्यम से सम्मेलन, फैकल्टी डेवल्पमेंट कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि भी आयोजित किए गए जिसमें पूरे देश से अलग–अलग क्षेत्रों में दक्ष विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया।

विश्वविद्यालय के द्वारा विद्यार्थियों तथा शिक्षकों के लिए **सामाजिक दायित्व प्रकोष्ठ**, **खोज प्रकोष्ठ**, **ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ** तथा **आई.आई.आर. प्रकोष्ठ** की स्थापना की गई है। सामाजिक दायित्व प्रकोष्ठ की स्थापना का उद्देश्य छात्रों को समाज के प्रति कर्तव्य के लिए सजग बनाने तथा उनमें सेवा व त्याग जैसे गुण विकसित करने के साथ ही सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देने हेतु किया गया है। जहाँ एक तरफ इस प्रकोष्ठ द्वारा समय–समय पर विभिन्न कार्यक्रमों जैसे ई–कार्निवल का आयोजन किया गया, वहीं कोविड–19 के इस समय में विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिए गए पलाना गांव में जागरूकता अभियान चलाया गया तथा साथ ही बचाव हेतु गांव को सैनिटाइज करवाया गया तथा मास्क व सैनिटाइजर का वितरण भी किया गया। इसी के साथ शिक्षकों के लिए भी हैप्पीनेस एंड फुलफिलमेंट इन वर्क कल्चर (आर्ट ऑफ लिविंग) विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिससे 350 से अधिक शिक्षक व विद्यार्थियों लाभान्वित हुए।

विश्वविद्यालय में सामाजिक नवाचार को बढ़ावा देने हेतु **खोज प्रकोष्ठ** की स्थापना की गई है। कोविड–19 के दौरान खोज प्रकोष्ठ के द्वारा वोकल फॉर लोकल विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया जिसके माध्यम से छात्रों एवं शिक्षाविदों को स्थानीय उत्पादो के महत्त्व के बारे में बताया गया। **ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ** की स्थापना गांवों में रोजगार के अवसर को बढ़ावा देने तथा आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने के लिए की गई है। प्रकोष्ठ के इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु **महात्मा गांधी नेशनल काउन्सिल फॉर रूरल एजुकेशन काउन्सिल, मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन, भारत सरकार** द्वारा विश्वविद्यालय को सदस्यता भी प्रदान की गई है। इसी के अंतर्गत **माननीय राज्यपाल महोदय श्री कलराज मिश्र** की अध्यक्षता में आत्मनिर्भर भारत सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमें देश भर से 1000 से अधिक संख्या में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इसी प्रकार **आई.आई.आर. प्रकोष्ठ** की स्थापना इण्डस्ट्री एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच की दूरी को कम करने तथा विद्यार्थियों के कैंपस प्लेसमेंट के उद्देश्य से की गई है। उक्त प्रकोष्ठ द्वारा कई प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ एम. ओ.यू. किए गये है यथा ए.आई.सी.टी.ई.,आई.आई.एम.टी इत्यादि। इसके साथ ही पर्यावरण को प्लास्टिक मुक्त करने हेतु एक दूरगामी परियोजना **इको–ब्रिक** की शुरुआत भी विश्वविद्यालय ने की है तथा भविष्य में इस प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए भी विश्वविद्यालय प्रयासरत है।

अपने इन अभिनव प्रयासों से विश्वविद्यालय ने अल्प समय में भी देश भर में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

(हाकम दान चारण)
कुलपति

अनुक्रमणिका

क.सं.	विवरण			पृष्ठ संख्या
1	संगठनात्मक ढांचा			1–4
2	स्वीकृत–कार्यरत तथा रिक्त पदों का विवरण			5
	2.1	शैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति		5
	2.2	अशैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति		5
3	विभागीय प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक प्रमुख कार्य के विरूद्ध आलौच्य वर्ष में प्रगति एवं उसकी विगत 3 वर्ष से तुलना			6–11
	3.1	नियमित अकादमिक कार्य		6
		3.1.1	स्नातक पाठ्यक्रम	7
		3.1.2	स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम	8
		3.1.3	विद्या–वाचस्पति/डॉक्टरेट पाठ्यक्रम	8
	3.2	मूल्यांकन कार्य		10–11
	3.3	प्रशिक्षण एवं नियोजन कार्य		11
	3.4	प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्य		11
4	आलौच्य वर्ष में विशेष पहल एवं उपलब्धि			12–16
	4.1	आलौच्य वर्ष में विशेष पहल		12
		4.1.1	अकादमिक सत्र 2020–21 से विश्वविद्यालय द्वारा नये पाठ्यक्रमों का संचालन	12
		4.1.2	महत्वांकाक्षी परियोजना इको–ब्रिक का आरम्भ	12
		4.1.3	विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँव पलाना में कोविड़–19 महामारी के दौरान बचाव व जागरूकता अभियान	12
		4.1.4	विश्वविद्यालय द्वारा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की डॉक्टरल फैलोशिप योजना को कार्यान्वित कर प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न की।	12
	4.2	आलौच्य वर्ष में विशेष उपलब्धि		13
		4.2.1	विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर प्राप्त पुरस्कार/प्रशंसा पत्र	13
		4.2.2	AICTE द्वारा विश्वविद्यालय को पूरे राजस्थान के तकनीकी शिक्षा में मानवीय मूल्य शिक्षा के प्रभावशाली कार्यान्वयन की महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी	13
		4.2.3	विश्वविद्यालय के आई.आई.आर. सेल द्वारा देश के चौदह राष्ट्रीय संस्थानों के साथ करार (एम.ओ.यू.)	13
		4.2.4	वैल्यू सेल–आनंदम की स्थापना	14
		4.2.5	विश्वविद्यालय द्वारा राज्य में प्रथम मानव मूल्य शिक्षा संकाय की स्थापना	14
		4.2.6	विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ साथ नवाचार हेतु प्रेरित कर समाज से जोड़ना	14
		4.2.7	वैश्विक महामारी कोविड–19 के दौरान शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के मानसिक विकास एवं तनाव को दूर करने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन	15
		4.2.8	विश्वविद्यालय द्वारा अकादमिक, प्रशिक्षण, मूल्यांकन एवं नियोजन का ऑनलाइन संचालन	16
		4.2.9	राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संगोष्ठियां एवं फैकल्टी डेवल्पमेंट प्रोग्राम का आयोजन	16
		4.2.10	विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा शोध पत्रों का प्रकाशन	16
5	सार संक्षेप			17–18

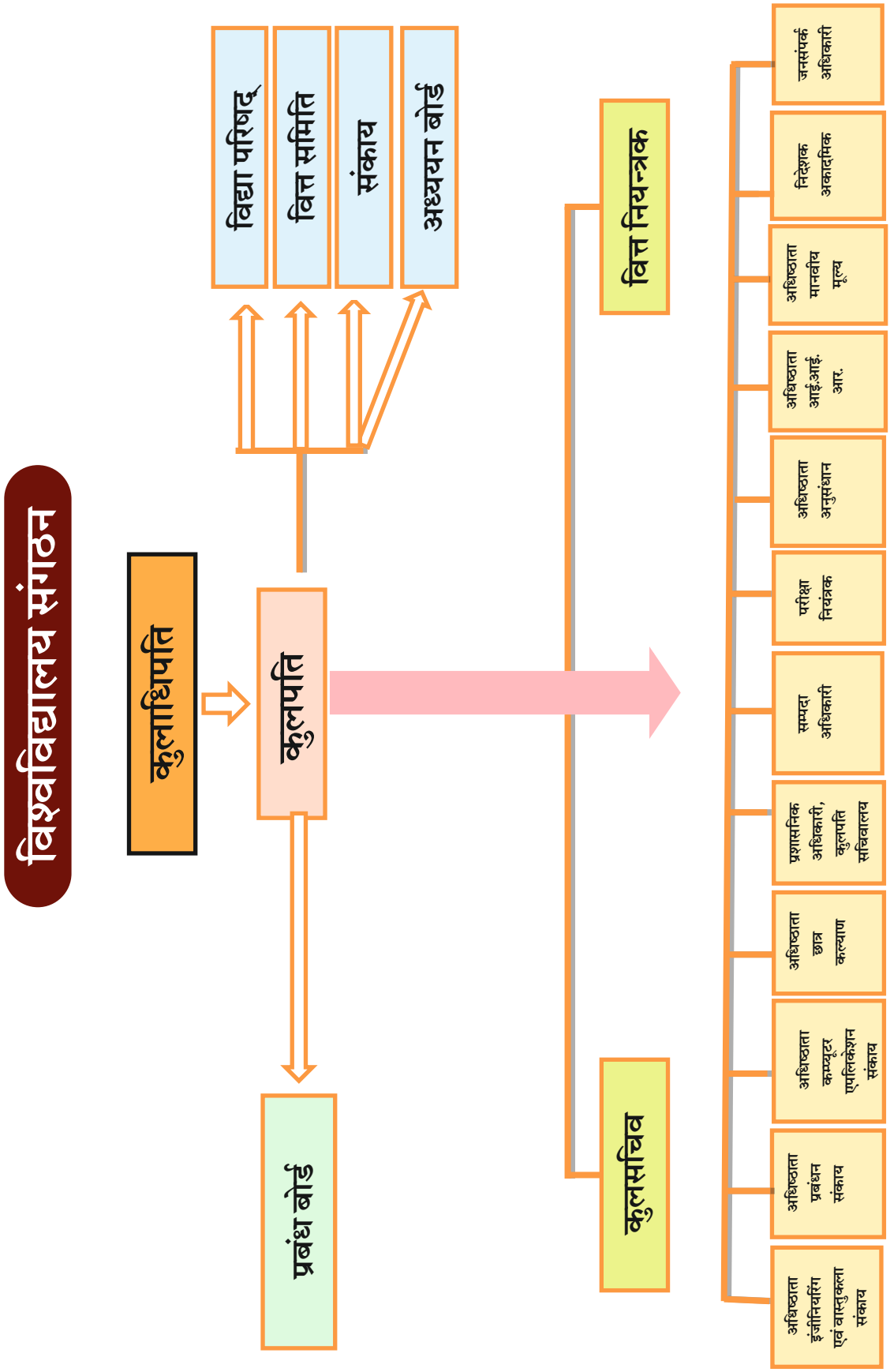
विश्वविद्यालय संगठन
कुलाधिपति
कुलपति
विद्या परिषद्
वित्त समिति
संकाय
अध्ययन बोर्ड
प्रबंध बोर्ड
वित्त नियन्त्रक
कुलसचिव
जनसंपर्क अधिकारी
निदेशक अकादमिक
अधिष्ठाता मानवीय मूल्य
अधिष्ठाता आई.आई. आर.
अधिष्ठाता अनुसंधान
परीक्षा नियंत्रक
सम्पदा अधिकारी
प्रशासनिक अधिकारी, कुलपति सचिवालय
अधिष्ठाता छात्र कल्याण
अधिष्ठाता कम्प्यूटर एप्लिकेशन संकाय
अधिष्ठाता प्रबंधन संकाय
अधिष्ठाता इंजीनियरिंग एवं वास्तुकला संकाय

1. संगठनात्मक ढांचा

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर नवस्थापित विश्वविद्यालय है जिसकी स्थापना विश्वविद्यालय अधिनियम संख्यांक 29 वर्ष 2017 द्वारा की गई। राज्य में तकनीकी शिक्षा विशेषतः पश्चिमी राजस्थान में प्रगति हेतु इस विश्वविद्यालय को स्थापित किया गया है। राजस्थान राज्य के माननीय राज्यपाल अपने पद के आधार पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति है। कुलपति विश्वविद्यालय के प्रधान शैक्षणिक और कार्यपालक अधिकारी हैं।

अपनी स्थापना की अल्पावधि में ही विश्वविद्यालय ने प्रबंध बोर्ड, विद्या परिषद, वित्त समिति, संकाय, अध्ययन बोर्ड एवं अनुसंधान बोर्ड आदि संवैधानिक निकायों का गठन किया। इन निकायों के गठन के साथ ही विश्वविद्यालय ने केन्द्रीय सलाहकार समिति, जनसम्पर्क प्रकोष्ठ, प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ, सामाजिक दायित्व प्रकोष्ठ, खोज प्रकोष्ठ, ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ, आई.आई.आर. प्रकोष्ठ इत्यादि का गठन किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी एवं वास्तुकला, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, अधिष्ठाता प्रबंधन अध्ययन, अधिष्ठाता संगणक अनुप्रयोग, अधिष्ठाता इंडस्ट्री इन्स्टीट्यूट रिलेशन, अधिष्ठाता अनुसंधान, अधिष्ठाता एप्लाईड सांईसेज, अधिष्ठाता मानवीय मूल्य शिक्षा, निदेशक अकादमिक, परीक्षा नियंत्रक, जनसम्पर्क अधिकारी आदि महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां की और कुछ अन्य समितियां बनाई गई जिससे विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुरूप समस्त कार्यों का सफल क्रियान्वयन किया जा सके।

तकनीकी शिक्षा का राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। विश्वविद्यालय और सम्बद्ध महाविद्यालयों में तकनीकी शिक्षा एवं प्रबन्धन और संबंधित विषयों के बारें में उचित और व्यवस्थित निर्देशन, शिक्षण–प्रशिक्षण, अनुसंधान और नियोजन से संबंधित प्रशिक्षण करवाया जाता है। राजस्थान सरकार अध्यापन, शिक्षण–प्रशिक्षण, शिक्षण अनुसंधान और उसके प्रसार के प्रयासों के क्रियान्वयन में विश्वविद्यालय की हमेशा सहायक रही है एवं विश्वविद्यालय को वृद्धि उन्मुख और प्रगतिशील बनाने में भी सहयोग करती है।

विश्वविद्यालय अपने तीन प्रमुख अंग, अध्यापन, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रसार के निष्पादन के लिए मूलभूत आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है। वर्तमान में विश्वविद्यालय का एक संघटक महाविद्यालय है, जो कि बीकानेर में स्थित है एवं संघटक महाविद्यालय के परिसर में ही तकनीकी शिक्षा के उद्धेश्यों की पूर्ति एवं मानवीय मूल्यों की अभिवृद्धि हेतु सफल संचालन विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है।

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के साथ ही मूल्य आधारित तकनीकी शिक्षा का संकल्प लिया तथा मानव मूल्य शिक्षा को गति देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय स्तर पर पृथक रूप से मानव मूल्य शिक्षा संकाय की स्थापना के साथ ही पांच नोडल केन्द्र अजमेर,अलवर,जोधपुर,सीकर एवं बीकानेर में स्थापित किये गये हैं। विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों में वेल्यू सेल–आनन्दम् की स्थापना की गई है एवं इसी के साथ विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रमों में मानवीय मूल्य शिक्षा को बी.टेक, एम.टेक, एम.बी.ए., एम.सी.ए, बी. डिजाइन, बी.आर्क इत्यादि में अनिवार्य विशय के रूप में लागू किया गया है और इस विषय के अध्ययन एवं परीक्षा हेतु हिन्दी भाषा का विकल्प दिया गया है। विश्वविद्यालय ने अपने नोडल केन्द्रों पर यूनिवर्सल ह्यूमन वेल्यूज एवं प्रोफेशनल एथिक्स विषय पर राज्य सरकार की मंशा अनुसार अब तक आठ दिवसीय, प्रथम स्तर की सात तथा एक रिफ्रेशर कार्यशाला तथा तीन दिवसीय, सात सूचनात्मक कार्यशालाओं के माध्यम से 650 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया हैं।

कोरोना महामारी के दौरान देश में पहली बार विश्वविद्यालय द्वारा एक अभिनव प्रयास के रूप में विद्यार्थियों के लिये ऑनलाइन कार्यशाला सुखी–जीवनः–आनन्दम का आयोजन किया गया जिसमें 22 कार्यशालाओं के माध्यम से लगभग 7500 विद्यार्थियों तथा उनके परिवारजन तक विषय वस्तु को पहुंचाने का कार्य कर लाभान्वित किया गया। विश्वविद्यालय के द्वारा विद्यार्थियों को मानव मूल्य शिक्षा विषय पढाने हेतु प्रशिक्षित शिक्षकों को तैयार करने के उद्देश्य से भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के सहयोग से मास्टर ट्रेनर संकाय सदस्यों की एक समर्पित टीम तैयार की गई है।

विश्वविद्यालय अनुसंधान गतिविधियों को बढावा देने हेतु आठ अनुसंधान केन्द्र के माध्यम से 17 विशेषज्ञता में अनुसंधान का कार्य करवा रहा है जिसमें गत वर्ष 18 शोधार्थियों को प्रवेश दिया गया। आने वाले वर्षों में इन अनुसंधान केन्द्रों की संख्या में वृद्धि कर अन्य कोर्सेज में भी शोधार्थियों को प्रवेश देकर लाभान्वित किया जा सकेगा।

प्रबन्ध बोर्ड सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम एवं पद	प्रबंध बोर्ड में पद
1	प्रो. एच.डी.चारण, माननीय कुलपति, बीटीयू, बीकानेर	अध्यक्ष
2	संभागीय आयुक्त, बीकानेर, प्रतिनिधि प्रभारी शासन सचिव, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर	पदेन सदस्य
3	प्रभारी शासन सचिव, तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर	पदेन सदस्य
4	निदेशक, तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर	पदेन सदस्य
5	डॉ. एस.के.बंसल, अधिष्ठाता, अभियांत्रिकी एवं वास्तुकला संकाय	माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य
6	डॉ. यदुनाथ सिंह, अधिष्ठाता अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय	माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य
7	प्रो.बी.एल.स्वामी, प्रोफेसर, एम.एन.आई.टी, जयपुर	माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य
8	प्रो.अनिल के. माथुर, प्रोफेसर, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा	माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य
9	प्रो. एस.के.सिंह, कुलपति, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार	माननीय कुलाधिपति द्वारा नामित सदस्य
10	डॉ. संत कुमार चौधरी, अध्यक्ष, शंकरा इन्सटीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी, जयपुर	माननीय कुलाधिपति द्वारा नामित सदस्य
11	डॉ. जितेन्द्र डीगवाल, प्राचार्य, महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य
12	डॉ. जावेद खान भूट्टो, प्राचार्य, मरूधर इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य
13	श्री गोविन्दराम मेघवाल, माननीय विधायक, खाजूवाला	विधानसभा अध्यक्ष द्वारा नामित सदस्य
14	श्री जगदीश चन्द जांगिड़, माननीय विधायक, सादुलशहर	विधानसभा अध्यक्ष द्वारा नामित सदस्य
15	प्रो.कमलेश पुरोहित, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य
16	डॉ. एस.के.बिश्नोई, एसोसिएट प्रोफेसर, इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य
17	डॉ.नरेन्द्र कुमार थोरी, कुलसचिव, बीटीयू, बीकानेर	सदस्य सचिव/पदेन सदस्य

विद्या परिषद् सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम एवं पद	विद्या परिषद में पद
1.	प्रो. एच.डी.चारण, माननीय कुलपति, बीटीयू, बीकानेर	अध्यक्ष
2.	डॉ. एस.के.व्यास, प्रोफेसर, संकायाध्यक्ष मैनेजमेंट स्ट्डीज, इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर	सदस्य
3.	डॉ. एस.के.बंसल, संकायाध्यक्ष, इंजीनियरिंग एवं वास्तुकला संकाय	सदस्य
4.	डॉ.यदूनाथ सिंह, संकायाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त विज्ञान संकाय	सदस्य
5.	डॉ. अजीत सिंह पूनिया, संकायाध्यक्ष, संगणक अनुप्रयोग संकाय	सदस्य
6.	डॉ. अल्का स्वामी, संकायाध्यक्ष, मानवीय मूल्य शिक्षा	सदस्य
7.	डॉ.यदूनाथ सिंह, प्राचार्य, युनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनीयरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, बीकानेर	कुलपति द्वारा नामित सदस्य
8.	प्रभारी शासन सचिव, तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर	सदस्य
9.	निदेशक, तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर	सदस्य
10.	प्रो.सुनील परिहार, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, माइनिंग इंजीनियरिंग	सदस्य
11.	डॉ. यदूनाथ सिंह, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग	सदस्य
12.	डॉ.संजय कुमार बंसल, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, इलेक्ट्रीकल, ईसीई एवं ईआईसीई इंजीनियरिंग	सदस्य
13.	डॉ. जयप्रकाश भामू, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग, मेकाट्रोनिक्स इंजीनियरिंग	सदस्य
14.	डॉ. मुकेश एम. जोशी, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, अनुप्रयुक्त विज्ञान	सदस्य
15.	डॉ. अजीत सिंह पूनिया, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, संगणक एवं सूचना प्रोद्यौगिकी इंजीनियरिंग	सदस्य
16.	डॉ. प्रतिभा चौधरी, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग एवं वास्तुकला एवं टाउन प्लानिंग	सदस्य
17.	डॉ. संदीप रांकावत, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग	सदस्य
18.	डॉ. प्रकाश सिंह, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, सिरेमिक इंजीनियरिंग	सदस्य
19.	डॉ. अल्का स्वामी, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज	सदस्य
20.	डॉ. प्रीति पारीक, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, मानव मूल्य शिक्षा	सदस्य
21.	डॉ. धर्मेन्द्र यादव, अध्ययन बोर्ड अध्यक्ष, बेचलर ऑफ डिजाइन	सदस्य
22.	डॉ. जयप्रकाश भामू, प्राचार्य, इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर	राज्य सरकार द्वारा नामित संबद्ध महाविद्यालय सदस्य
23.	डॉ. स्वाती शर्मा, राज इंजीनियरिंग कॉलेज, जोधपुर	राज्य सरकार द्वारा नामित संबद्ध महाविद्यालय सदस्य
24.	प्रो.वी.रामगोपाल राव, निदेशक, आई.आई.टी, दिल्ली	कुलाधिपति द्वारा नामित सदस्य
25.	श्री दिनेश जुनेजा, अध्यक्ष, एस.के.डी. विश्वविद्यालय, हनुमानगढ़	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य
26.	श्री देवेन्द्र तिवारी, सहायक आचार्य, बीटीयू, बीकानेर	माननीय कुलपति द्वारा नामित सदस्य
27.	डॉ. शिवांगी बिस्सा, सहायक आचार्य, ईसीबी, बीकानेर	राज्य सरकार द्वारा नामित सदस्य
28.	डॉ.नरेन्द्र कुमार थोरी, कुलसचिव, बीटीयू, बीकानेर	सदस्य सचिव/पदेन सदस्य

वित्त समिति सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम एवं पद	वित्त समिति में पद
1.	प्रो. एच. डी. चारण, माननीय कुलपति, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर	अध्यक्ष
2.	श्रीमती शुचि शर्मा, आई.ए.एस., प्रभारी शासन सचिव, तकनीकी शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर	सदस्य
3.	संभागीय आयुक्त, बीकानेर प्रतिनिधि प्रभारी शासन सचिव, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर	सदस्य
4.	डॉ. नरेन्द्र कुमार थोरी, RAS कुलसचिव, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर	सदस्य
5.	डॉ. मुकेश एम. जोशी परीक्षा नियंत्रक, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर	सदस्य
6.	श्री पवन कुमार कस्वाँ, RAcS वित्त नियंत्रक, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर	सदस्य सचिव/पदेन सदस्य

2. स्वीकृत, कार्यरत तथा रिक्त पदों का विवरण

2.1 शैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति

पद का नाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
अधिष्ठाता–एफ.ए.	01	00	01
आचार्य	10	00	10
सह–आचार्य	20	05	15
सहायक आचार्य	60	51	09
योग	91	56	35

2.2 अशैक्षणिक पदों की श्रेणीवार स्थिति

पद का नाम	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त
कुलपति	01	01	00
रजिस्ट्रार	01	01	00
वित्त नियंत्रक	01	01	00
परीक्षा नियंत्रक	01	00	01
सहायक लेखाधिकारी–I	01	01	00
सहायक लेखाधिकारी–II	02	00	02
कनिष्ठ लेखाकार	02	00	02
निजी सचिव, कुलपति	01	00	01
उप–कुलसचिव	02	01 प्रतिनियुक्ति पर	01
सहायक कुलसचिव	04	00	04
अनुभाग अधिकारी	03	01 प्रतिनियुक्ति पर	02
सहायक अनुभाग अधिकारी	02	00	02
कम्प्यूटर प्रोग्रामर	02	02 पद विरूद्ध सूचना सहायक पदस्थापित	00
एनालिस्ट कम प्रोग्रामर	01	00	01
विधि अधिकारी	01	00	01
सांख्यिकी अधिकारी	01	00	01
निजी सहायक	02	00	02
स्टेनोग्राफर	01	00	01
कनिष्ठ अभियन्ता	01	00	01
सूचना सहायक	07	06	01
वरिष्ठ सहायक	05	00	05
कनिष्ठ सहायक	15	00	15
वाहन चालक	01	00	01
सुरक्षा अधिकारी	01	00	01
केयर टेकर	01	00	01
चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	10	00	10
योग	70	14	56

3 . विभागीय प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक प्रमुख कार्य के विरूद्ध आलोच्य वर्ष में प्रगति एवं उसकी विगत 3 वर्ष से तुलना

3.1 नियमित अकादमिक कार्य

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर की परिकल्पना एवं संरचना के अनुसार विश्वविद्यालय विशेषतः पश्चिमी राजस्थान में शिक्षण, अनुसंधान एवं तकनीकी शिक्षा के प्रसार हेतु कार्यरत है। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों द्वारा शिक्षित किया है ताकि उनमें ज्ञान एवं नेतृत्व विकसित हो सके और विद्यार्थी कुशल एवं पेशेवर अभियन्ता एवं प्रबन्धक बन सकें।

विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में निम्न महाविद्यालय संचालित हैं:–

क्र.सं.	महाविद्यालय श्रेणी	संख्या
1	संघटक महाविद्यालय	01
2	सरकारी सहायता प्राप्त स्वायतशासी महाविद्यालय	04
3	निजी महाविद्यालय	37
कुल		42

उक्त महाविद्यालयों में श्रेणीवार संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण निम्न सारणी के अनुसार है:–

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	संघटक / विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों की संख्या
1	अभियांत्रिकी– स्नातक (बी.टेक)	33
2	अभियांत्रिकी– स्नातक (बी.डिजाइन)	01
3	वास्तुकला– स्नातक (बी.आर्क)	01
4	अभियांत्रिकी– स्नात्तकोत्तर (एम.टेक.)	15
5	कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन– स्नात्तकोत्तर (एम.सी.ए.)	08
6	प्रबन्ध अध्ययन– स्नात्तकोत्तर (एम.बी.ए.)	20
7	विद्यावाचस्पति अनुसंधान केन्द्र	08

3.1.1 स्नात्तक पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय में अ.भा.त.शि.प. के मापदण्डों के अनुसार अभियांत्रिकी/बी.डिजाइन चार वर्षीय एवं बी. आर्क. पाँच वर्षीय पाठ्यक्रम है। उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश ''संयुक्त प्रवेश परीक्षा'' के आधार पर ''राजस्थान इंजीनियरिंग एडमिशन प्रोसेस'' की काऊंसलिंग द्वारा दिया जाता है।

विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम निम्नानुसार हैः–

क्र.सं.	स्नातक पाठ्यक्रम	क्र.सं.	स्नातक पाठ्यक्रम
1	बी.टेक सीएसई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)	15	बी.टेक सिरेमिक इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी
2	बी.टेक सीएसई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एण्ड मशीन लर्निंग)	16	बी.टेक कम्प्यूटर साईंस एण्ड इंजीनियरिंग
3	बी.टेक सीएसई (डाटा साईंस)	17	बी.टेक इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग
4	बी.टेक इन्टरनेट ऑफ थिंग्स	18	बी.टेक इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
5	बी.टेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एण्ड डाटा साईंस	19	बी.टेक इलेक्ट्रोनिक इंस्ट्रूमेंटेशन एण्ड कन्ट्रोल इंजीनियरिंग
6	बी.टेक रोबोटिक्स एण्ड ऑटोमेशन	20	बी.टेक इन्फॉरमेशन टेक्नोलोजी
7	बी.टेक केमिकल इंजीनियरिंग	21	बी.टेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग
8	बी.टेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एण्ड मशीन लर्निंग	22	बी.टेक मैकाट्रोनिक्स
9	बी.टेक मशीन लर्निंग एण्ड कम्प्यूटिंग	23	बी.टेक माईनिंग इंजीनियरिंग
10	बी.टेक सिविल इंजीनियरिंग	24	बी.टेक पैट्रोलियम इंजीनियरिंग
11	बी.टेक एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग	25	बी.टेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
12	बी.टेक डाटा साईंस	26	बी.टेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग
13	बी.टेक इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग	27	बी. डिजाइन
14	बी. आर्क		

विश्वविद्यालय के प्रथम सत्र 2018–19 में इंजीनियरिंग के स्नात्तक स्तर की 10992 सीटों के लिए 3242 प्रवेश हुए। वास्तु कला में 30 सीटों के लिए 03 प्रवेश हुए ।

द्वितीय सत्र 2019–20 में इंजीनियरिंग के स्नात्तक स्तर की 9912 सीटों के लिए 3753 प्रवेश हुए। वास्तु कला के स्नात्तक कार्यक्रम में 30 सीटो के लिए 02 प्रवेश हुए। नए शुरु बी . डिजाइन पाठ्यक्रम के 90 सीटों के लिए 23 प्रवेश हुए।

3.1.2 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय में अ.भा.त.शि.प. के मापदण्डों के अनुसार अभियांत्रिकी/कम्प्यूटर ऐपलिकेशन्स/एमबीए में दो वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित है। उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश "केन्द्रीय प्रवेश प्रक्रिया" के आधार पर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित एजेंसी के माध्यम से काऊंसलिंग द्वारा किया जाता है। विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तरस्तर के पाठ्यक्रम निम्नानुसार हैः–

क्र. सं.	स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम	क्र. सं.	स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम
1	एम.टेक. डाटा साईंस	9	एम.टेक. रिन्यूएबल एनर्जी
2	एम.टेक मेटिरियल साईस एण्ड इंजीनियरिंग	10	एम.टेक. सॉफ्टवेयर इंजिरियरिंग
3	एम.टेक. मैकेनिकल इंजीनियरिंग	11	एम.टेक. थर्मल इंजिरियरिंग
4	एम.टेक. प्रोडक्शन इंजीनियरिंग	12	एम.टेक. वी.एल.एस.आई. डिजाइन
5	एम.टेक. कम्प्यूटर इंजीनियरिंग	13	एम.टेक. डिजिटल कम्यूनिकेशन
6	एम.टेक. जियो टेक्निकल इंजीनियरिंग	14	एम.बी.ए.
7	एम.टेक. मशीन लर्निंग	15	एम.बी.ए.–एग्री बिजनेस
8	एम.टेक. पॉवर सिस्टम	16	एम.सी.ए.

विश्वविद्यालय के प्रथम सत्र 2018–19 में इंजीनियरिंग के स्नात्तकोत्तर की 936 सीटों के लिए 201 प्रवेश हुए। प्रबन्ध पाठयक्रम में 1155 के लिए 437 प्रवेश हुए। कम्प्यूटर एप्लिकेशन के स्नात्तकोत्तर पाठयक्रम में 450 सीटों के लिए 06 प्रवेश हुए एवं द्वितीय सत्र 2019–20 में इंजीनियरिंग के स्नात्तकोत्तर की 684 सीटों के लिए 159 प्रवेश हुए। प्रबन्ध कार्यक्रम में 1065 के लिए 558 प्रवेश हुए। कम्प्यूटर एप्लिकेशन में 270 सीटो के लिए 170 प्रवेश हुए ।

सत्र 2020–21 में कोरोना महामारी के कारण प्रवेश विलम्ब से शुरु हुए जिस कारण अभी तक स्नात्तकोत्तर की प्रवेश प्रक्रिया जारी है अतः इस वर्ष के प्रवेशांक, प्रतिवेदन में समाहित किए जाने सम्भव नहीं हो सके।

3.1.3 विद्या वाचस्पति पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय में विद्या वाचस्पति पाठ्यक्रम संचालित है। इस हेतु विश्वविद्यालय के द्वारा निर्धारित योग्यता रखने वाले इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन संकाय में कुल आठ अनुसंधान केन्द्रों पर 17 विशेषज्ञता क्षेत्रों में संचालित हैं। जिनका विवरण विशेषज्ञता अनुसार निम्न तालिकानुसार हैः–

क्र. सं.	संस्थान	विभाग/अनुसंधान केन्द्र	विशेषज्ञता क्षेत्र
1	बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर	कम्प्यूटर साईस एण्ड इंजीनियरिंग	डाटा सांईस
		इंलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग	पॉवर सिस्टम
		मैकेनिकल इंजीनियरिंग	मशीन डिजाईन
		सिविल इंजीनियरिंग	जीयो टेक्निकल इंजीनियरिंग
		सिरेमिक इंजीनियरिंग	मैटीरियल साईस एण्ड इंजिरियरिंग
		एम.बी.ए.	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, फाइनेंस मैनेजमेंट

2	इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर	इंलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग	पॉवर सिस्टम
		कम्प्यूटर साईस एण्ड इंजीनियरिंग	सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग
		मैकेनिकल इंजीनियरिंग	थर्मल इंजीनियरिंग
		एम.सी.ए.	एम.सी.ए.
		एम.बी.ए.	बैकिंग, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, फाइनेंस मैनेजमेंट, मार्केटिंग मैनेजमेंट
3	इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	प्रोडेक्शन इंजीनियरिंग
		कम्प्यूटर साईस एण्ड इंजीनियरिंग	कम्प्यूटर साईस एण्ड इंजीनियरिंग
		इंलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग	कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
		कम्प्यूटर एप्लीकेशन	डाटा बेस मैनेजमेंट
		एम.बी.ए.	बैकिंग, जनरल मैनेजमेंट, फाइनेंसिल मैनेजमेंट
4	महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर	इंलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग	कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
		इंलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग	पॉवर सिस्टम
5	शोभासरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, सीकर	कम्प्यूटर साईस एण्ड इंजीनियरिंग	कम्प्यूटर साईस एण्ड इंजीनियरिंग
		इंलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग	पॉवर सिस्टम
		एम.बी.ए.	मार्केटिंग मैनेजमेंट
6	इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी, अलवर	इंलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग	कन्ट्रोल एण्ड इन्ट्रमेन्टेसन
		एम.बी.ए.	फाइनेंसिल मैनेजमेंट, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट
7	इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बी.जे.एस. रामपुरियां कॉलेज, बीकानेर	एम.बी.ए.	फाइनेंसिल मैनेजमेंट, बैकिंग मैनेजमेंट, जनरल मैनेजमेंट
8	आर्य भट्ट कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, अजमेर	एम.बी.ए.	जनरल मैनेजमेंट

क्र. सं.	संस्थान	पंजीकृत अनुसंधान पर्यवेक्षक		पंजीकृत विद्यार्थी	
		2019–20	2020–21	2018–19	2019–20
1	बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर	02	08	00	01
2	इंजीनियरिंग कॉलेज, बीकानेर	29	01	11	11
3	इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर	19	00	08	05
4	महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, अजमेर	04	02	00	00
5	शोभासरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, सीकर	04	01	11	00
6	इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी, अलवर	03	00	01	00
7	इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बी.जे.एस. रामपुरिया कॉलेज, बीकानेर	03	00	00	00
8	आर्यभट्ट कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, अजमेर	03	00	00	01
9	शोध केन्द्रो के अतिरिक्त पंजीकृत अनुसंधान पर्यवेक्षक	11	17	–	–

सत्र 2020–21 में प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न नहीं होने के कारण उपरोक्त पाठ्यक्रम की सीटों का विवरण वार्षिक प्रतिवेदन में समाहित नहीं किया गया है।

3.2 मूल्यांकन कार्य

विश्वविद्यालय प्रवेशित सभी छात्रों का नामांकन करते हुए सत्रोपरान्त केन्द्रीय मूल्यांकन पद्धति द्वारा मुल्यांकन का कार्य करता है। इस हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित महाविद्यालयों की भौगोलिक स्थिति के अनुरुप तीन केन्द्रीय मूल्यांकन केन्द्र स्थापित किए गये हैं जिससे सभी संबद्ध महाविद्यालयों के संकाय सदस्य भी मूल्यांकन प्रक्रिया में उपलब्ध हो सकें और परिणाम समय पर तैयार हो सकें।

विश्वविद्यालय शत–प्रतिशत गोपनीयता हेतु प्रतिबद्ध है। सम्पूर्ण मूल्यांकन कार्य में छात्रों के रोल नम्बर और बार–कोड को पूर्ण रुप से गोपनीय रखा जाता है। अनुचित साधनों की रोकथाम हेतु विभाग में एक स्वतन्त्र प्रकोष्ठ बनाया गया है जिसका नियन्त्रण स्वयं सहायक परीक्षा नियन्त्रक करते है। एक स्थाई समिति इन मामलों के निस्तारण हेतु बनाई गई है जो कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निर्णय लेती है। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर निरीक्षक नियुक्त किये जाते है तथा उडनदस्तों द्वारा औचक निरीक्षण भी किया जाता है।

राजस्थान की तकनीकी शिक्षा में प्रथम बार ऐसा हुआ है कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष के छात्रों हेतु बैक परीक्षा का आयोजन अगले ही सेमेस्टर में करवाया ताकि छात्रों को अपने बैक पेपर को उत्तीर्ण करने हेतु पूरा साल इंतजार न करना पड़े।

विश्वविद्यालय के प्रथम सत्र 2018–19 में दोनों सेमेस्टरों में आयोजित हुई परीक्षाओं में लगभग 8400 विद्यार्थियों में से लगभग 4200 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए थे, जिनका उत्तीर्ण प्रतिशतता लगभग 50 था।

माननीय मुख्यमंत्री महोदय की दूरगामी सोच के तहत् कोविड–19 की विषम परिस्थितियों में विद्यार्थी हित में लिये गये निर्णयों के तहत् विश्वविद्यालय ने राज्य सरकार/यूजीसी के मापदण्डों को मानते हुए परिणाम जारी किए, जिसमें सत्र 2019–20 में लगभग 19000 विद्यार्थियों में से लगभग 13000 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जिनका उत्तीर्ण प्रतिशतता लगभग 70 प्रतिशत रहा।

3.3 प्रशिक्षण एवं नियोजन

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के अकादमिक कार्यक्रम अनुसार प्रशिक्षण एवं नियोजन का कार्य करता है। इस हेतु विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ निरन्तर कार्यरत है। विगत वर्षो में विषयवार एवं महाविद्यालयवार स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नियोजित विद्यार्थियों की संख्या निम्न तालिकानुसार है–

पाठ्यक्रम स्तर	अकादमिक वर्ष	कुल नियोजित विद्यार्थी
स्नातक स्तर	2019	1384
	2020	1033
स्नातकोत्तर स्तर	2019	260
	2020	201

अकादमिक सत्र 2020–21 में नियोजन की प्रक्रिया चालू है। कोविड के कारण कम्पनियों का महाविद्यालयों में नियोजन का कार्य लम्बित है।

3.4 प्रशासनिक एंव वित्तीय कार्य

विश्वविद्यालय के समस्त प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्य कुलसचिव एवं वित्त नियंत्रक के माध्यम से कुलपति द्वारा सम्पादित किये जाते हैं। गत तीन वर्ष का विश्वविद्यालय का आय व्यय का ब्यौरा निम्न तालिकानुसार है।

क्र. सं.	वित्तीय वर्ष (राशि लाखों में)	आय (राशि लाखों में)			व्यय (राशि लाखों में)			शेष (राशि लाखों में)
		राज्य सरकार द्वारा अनुदान	विश्वविद्यालय स्वंय की आय	कुल आय	अनुदान से व्यय	विश्वविद्यालय आय से व्यय	कुल व्यय	
1	2018–19	124.99	538.09	663.08	106.53	61.79	168.32	494.76
2	2019–20	149.99	681.92	831.91	158.37	103.55	261.92	569.99
3	2020–21 (31 दिस्मबर 2020 तक)	370.00	286.87	656.87	90.93	255.06	345.99	310.88

4 . आलोच्य वर्ष की विशेष पहल एवं उपलब्धि

4.1 आलोच्य वर्ष की विशेष पहल

4.1.1 अकादमिक सत्र 2020–21 से विश्वविद्यालय द्वारा नये पाठ्यक्रमों का संचालन

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा अकादमिक सत्र 2020–21 से स्नातकोत्तर स्तर के तीन पाठ्यक्रम जो कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त है, प्रारम्भ किये गये हैं। उक्त पाठ्यक्रम एम. टेक डाटा साइंस, मेटीरियल साइंस एवं इंजीनियरिंग तथा एम.बी.ए.–एग्री बिजनेस है, साथ ही स्नातक स्तर पर भी नवीन पाठ्यक्रम यथा बी.टेक– डाटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग पाठ्यक्रमों की शुरूआत की गई है, जिससे कि विद्यार्थियों को वर्तमान में उपलब्ध नवीनतम तकनीकों का ज्ञान प्राप्त करते हुए औद्योगिक हित धारकों की मांगानुसार कुशल टैक्नोक्रेट एवम् प्रबन्धन उपलब्ध हो सकें।

विश्वविद्यालय द्वारा 02 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर के आनन्दम् कोर्स को प्रारम्भ करते हुए इसे अनिवार्य विषय के रूप में सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में लागू किया गया है।

4.1.2 महत्वाकांक्षी परियोजना इको–ब्रिक का आरम्भ

विश्वविद्यालय के द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु पॉलिथीन के दुष्प्रभावों को देखते हुए इस समस्या से निपटने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु एक समाधान के तौर पर **इकोब्रिक** तैयार करने की महत्वाकांक्षी परियोजना आरम्भ की है। इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय एवं समस्त संबंद्ध महाविद्यालयों के परिसरों में इन इकोब्रिक्स को एकत्रित करने के लिए संग्रहण केन्द्र बनाये गये हैं जहाँ पर सभी स्टाफ के सदस्य एवं विद्यार्थी स्वयं द्वारा बनाई गई इकोब्रिक्स को जमा करवा सकते हैं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के संगणक विभाग के एक सहायक आचार्य द्वारा **"Eco Bricks Collection Android App"** विकसित किया है। इस एप के द्वारा विश्वविद्यालय एवं संबंद्ध महाविद्यालयों के शिक्षक, स्टॉफ एवं विद्यार्थियों द्वारा संग्रहित की गई इको ब्रिक्स का रिकार्ड रखा जा सकेगा एवं इस परियोजना से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी इस एप के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी।

4.1.3 विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँव पलाना में कोविड़–19 महामारी के दौरान बचाव व जागरूकता अभियान

कोविड़–19 महामारी के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव पलाना में बचाव व जागरूकता हेतु समय–समय पर विभिन्न जागरूकता अभियान चलाये गये एवं बचाव हेतु मास्क व सेनेटाईजर का वितरण किया गया तथा गांव को सेनेटाइज भी करवाया गया।

4.1.4 विश्वविद्यालय द्वारा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की डॉक्टरल फैलोशिप योजना को कार्यान्वित कर प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न की।

4.2 आलोच्य वर्ष में विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँ

4.2.1 विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर प्राप्त पुरस्कार/प्रशंसा पत्र

- ☞ स्वच्छता एवं सामाजिक दायित्व, गोद लिये गये गाँव, आस–पास के क्षेत्रों एवं विश्वविद्यालय परिसर में जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण व पर्यावरण संबंधित क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने हेतु **महात्मा गांधी नेशनल काउंसिल फॉर रूरल एजुकेशन काउंसिल, मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन, भारत सरकार** द्वारा विश्वविद्यालय को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है।
- ☞ विश्वविद्यालय के ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ को **महात्मा गांधी नेशनल काउंसिल फॉर रूरल एजुकेशन काउंसिल, मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन, भारत सरकार** द्वारा सदस्यता भी प्रदान की गई है।
- ☞ माननीय कुलपति को इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) द्वारा **"एमिनेंट इंजीनियर्स अवार्ड–2020"** में **विजनरी लीडर आवार्ड–2020** से सम्मानित किया गया।

4.2.2 AICTE द्वारा विश्वविद्यालय को पूरे राजस्थान के तकनीकी शिक्षा में मानवीय मूल्य शिक्षा के प्रभावशाली कार्यान्वयन की महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय को सम्पूर्ण राजस्थान में तकनीकी शिक्षा में मानवीय मूल्यों के प्रचार प्रसार करने एवं समस्त शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों के समावेश हेतु विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन कर उक्त कार्य सम्पादित किये जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का समग्र विकास हो सके। उक्त समस्त कार्य राष्ट्रीय समन्वय समिति–अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के निर्देशन में किया जा रहा है।

4.2.3 विश्वविद्यालय के आई.आई.आर. सेल द्वारा देश के चौदह राष्ट्रीय संस्थानों के साथ करार (एम.ओ.यू.)

विश्वविद्यालय आई.आई.आर. प्रकोष्ठ द्वारा उद्योग जगत एवं शिक्षण संस्थानों के मध्य समन्वय स्थापित करने एवं विद्यार्थियों के कैम्पस प्लेसमेंट में सहायता हेतु 14 राष्ट्रीय संस्थानों के साथ एम.ओ.यू. किये गये है। विश्वविद्यालय ने **IIMT** विश्वविद्यालय मेरठ, उत्तरप्रदेश के साथ शैक्षिक अनुसंधान एवं नवाचार में सहयोग हेतु, तकनीकी शिक्षा परिषद के साथ शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु, शिक्षा में विकास, नवाचार एवं स्टार्टअप हेतु हनी–बी नेटवर्क के मध्य, शैक्षणिक सहयोग एवं विकास हेतु देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के साथ, अनुसंधान एवं विकास, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप संबंधित सेवाओं हेतु भारतीय कौशल विकास विश्वविद्यालय के साथ करार किये गये हैं।

इसी क्रम में स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (**SKRAU**) के साथ कृषि के क्षेत्र में उपयोग हो रहे मशीनरी एवं टूल्स के आधुनिकीकरण एवं प्रौद्यौगिकी के अनुप्रयोग से किसानों को लाभ पहुंचाने एवं विद्यार्थियों को एग्री बिजनेस मेनेजमेंट विद्याओं का ज्ञान प्रदान करने हेतु करार किया गया है। इसी प्रकार सेरामोण्ड इंडिया प्रा.लि., श्री श्री विश्वविद्यालय कटक, **IIHT Ltd.**, **RERF (Education Wing)** माउण्ट आबू, कोर टेकीस इंडिया प्राइवेट लि., केमटेक एसोसिएट प्राइवेट लि., जयपुर, **Acecone Pvt. Ltd.**, एम.एस.एम.ई टेक्नोलोजी सेन्टर, भिवाडी के साथ भी MOUs किये गये है जिससे विद्यार्थियों को राज्य सरकार की मंशा के अनुसार रोजगारपरक शिक्षा देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाये जा सकें।

4.2.4 वैल्यू सेलः–आनंदम की स्थापना

विश्वविद्यालय द्वारा आनंदम कोर्स को प्रारम्भ करते हुए इसे 02 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर के अनिवार्य विषय के रूप में स्नातक पाठ्यक्रमों में लागू किया गया है।

विश्वविद्यालय एवं समस्त संबद्ध महाविद्यालयों में **वैल्यू सेलः–आनंदम** की स्थापना की गई है। देश में पहली बार विश्वविद्यालय द्वारा एक अभिनव प्रयास के रूप में विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन कार्यशाला सुखी जीवन–आनंदम का आयोजन किया गया जिसमें 22 कार्यशालाओं के माध्यम से 7500 विद्यार्थियों तथा उनके परिवारजन तक विषय वस्तु को सफलतापूर्वक पहुँचा कर लाभान्वित किया गया है।

4.2.5 विश्वविद्यालय द्वारा राज्य में प्रथम मानव मूल्य शिक्षा संकाय की स्थापना

विश्वविद्यालय में मानव मूल्य शिक्षा संकाय की स्थापना विद्यार्थियों तक मानव मूल्य शिक्षा स्पष्ट एवं व्यापक स्तर पर पहुँचाने के उद्देश्य से की गई है एवं इस विषय के अध्ययन हेतु हिन्दी भाषा का विकल्प दिया गया है। राज्य में मानव मूल्य शिक्षा हेतु यह अनूठी पहल विश्वविद्यालय द्वारा की गई एवं इस हेतु विश्वविद्यालय द्वारा पाँच नोडल केंद्रो अजमेर, अलवर, जोधपुर, सीकर और बीकानेर की स्थापना की गई है। इन नोडल केन्द्रों पर यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज एंड प्रोफेशनल एथिक्स विषय पर नियमित रूप से कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। मानव मूल्य संकाय द्वारा समस्त नोडल सेंटर पर साप्ताहिक मीटिंग आयोजित की जाती है जिससे विषय को लेकर समझ और बेहतर हो सके। विश्वविद्यालय द्वारा अपने संघटक कॉलेज के समस्त शिक्षकों तथा विश्वविद्यालय के कुल शिक्षकों में से लगभग 25 प्रतिशत शिक्षकों को मानव मूल्य शिक्षा हेतु प्रशिक्षित किया गया है। विद्यार्थियों को मानव मूल्य शिक्षा विषय पढ़ाने हेतु प्रशिक्षित शिक्षकों को तैयार करने के उद्देश्य से मास्टर ट्रेनर संकाय सदस्यों की एक समर्पित टीम तैयार की गई है, जो राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार है।

4.2.6 विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ साथ नवाचार हेतु प्रेरित कर समाज से जोड़ना

☞ विश्वविद्यालय में सामाजिक नवाचार को बढ़ावा देने हेतु ''खोज प्रकोष्ठ'' की स्थापना की गई, जिसका संरक्षण पद्मश्री श्री अनिल के गुप्ता, विजिटिंग फैकल्टी आई.आई.एम. अहमदाबाद संस्थापक हनी–बी नेटवर्क के द्वारा किया जा रहा है। इसके अलावा इस प्रकोष्ठ में राज्य स्तर पर विभिन्न विशेषज्ञों को जोड़कर सलाहकार समिति का भी गठन किया गया है।

☞ प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय परम्परा व संस्कृति से जोड कर परम्परागत समस्याओं पर शोध करना, अपने आस–पास के क्षेत्र में अनुपयोगी संसाधनों का अवलोकन कर, उन संसाधनों को उपयोग में लाने हेतु रचनात्मक विचार व नवाचार प्रस्तुत करना एवं अपने आस–पास के क्षेत्रों विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे स्थानीय सूक्ष्म नवाचार का अवलोकन कर तकनीकी से जोड़कर उसे विस्तृत रूप देना है। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों से प्राप्त लगभग 700 रचनात्मक विचारों पर विषय विशेषज्ञों/शिक्षाविदों द्वारा इनका परीक्षण कर लगभग 30 रचनात्मक विचारों को मूर्त रूप देकर साकार किया जा रहा है।

☞ प्रकोष्ठ के द्वारा छात्रों को नवाचार हेतु प्रेरित किया गया जिसके तहत आई.ई.टी. अलवर के छात्र श्री अर्पित शर्मा के द्वारा नवाचार के रूप में ''**आत्मनिर्भर नारी ऐप**'' बनाया जाकर सभी सम्प्रदाय की नारियों को लाभान्वित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय के छात्र श्री आशीष नागर द्वारा **''टचलैस ऑटोमैटिक हैंड स्प्रे सेनेटाईजर मशीन''** का निर्माण किया गया है जिसका उपयोग विश्वविद्यालय में कोविड महामारी के बचाव हेतु किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय के छात्र श्री दीपक कुमार द्वारा **''स्मार्ट रेलवे टिकट जेनेरेशन एण्ड ऑथेंटीकेशन सिस्टम''** का निर्माण किया गया है, जिसका उपयोग रेलवे सिस्टम को दुरूस्त करने में किया जा सकेगा।

4.2.7 वैश्विक महामारी कोविड–19 के दौरान शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के मानसिक विकास एवं तनाव को दूर करने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन

☞ विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 24.08.2020 से 28.08.2020 तक **Happiness & Its Fulfillment in Work Culture** विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आर्ट ऑफ लिविंग के विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया जिसमें 350 से अधिक शिक्षक एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए एवं इस कार्यशाला से सभी लाभार्थियों ने कोविड–19 के दौरान मानसिक तनाव को कम करने हेतु विभिन्न गुर सीखते हुए अपने दैनिक जीवन में उपयोग किया।

☞ ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 02.10.2020 से 06.10.2020 तक **आत्मनिर्भर भारत सप्ताह** का आयोजन **माननीय राज्यपाल श्री कलराज मिश्र** की अध्यक्षता में किया, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर लगभग 1000 से अधिक संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

☞ खोज प्रकोष्ठ के द्वारा **वोकल फॉर लोकल** विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का ऑनलाइन आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि **माननीय राज्यपाल कलराज मिश्र** रहे। वेबिनार का मुख्य उद्देश्य भारतीय स्थानीय उत्पादों के लिए मुखर होकर देश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को विश्व में विशिष्ट पहचान दिलाकर भारत को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना एवं विद्यार्थियों की राष्ट्र विकास में भागीदारी सुनिश्चित करवाना था। इस वेबिनार से लगभग 630 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

4.2.8 विश्वविद्यालय द्वारा अकादमिक, प्रशिक्षण, मूल्यांकन एवं नियोजन का ऑनलाइन संचालन

- बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर के परीक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/राज्य सरकार/अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के दिशा निर्देशो के अनुसार वैश्विक महामारी कोविड–19 की विषम परिस्थितियों में भी परीक्षा विभाग से जुड़े समस्त आवश्यक कार्यों यथा ऑनलाईन/ऑफलाईन परीक्षाओं (आंतरिक/प्रायोगिक/सैद्धांतिक/मौखिक) का सफल आयोजन करते हुए सभी परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम समय पर जारी किये गये।

- परीक्षा परिणामों की समय पर घोषणा, पुनर्मुल्यांकन प्रक्रिया इत्यादि का समय पर सम्पादन किया गया।

- राज्य सरकार के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय द्वारा सभी गतिविधियां जैसे महाविद्यालयों की संबद्धता निरीक्षण, महाविद्यालयों की गुणतत्ता रैकिंग (क्यू.आई.वी.) आदि का कार्य ऑनलाईन पूरा किया गया। इसके अलावा अकादमिक गतिविधियों जैसे अध्ययन–अध्यापन, प्रायोगिक कक्षाओं का संचालन भी ऑनलाइन माध्यम से किया गया।

- कोविड–19 के तहत राज्य सरकार/यू.जी.सी. के निर्देशानुसार Mid Term Examination एवं प्रेक्टिकल परीक्षाएं Online करवाई।

- विश्वविद्यालय द्वारा सभी संबद्व महाविद्यालयों की रैंकिग गणना के मानक तय करके रैंकिग निर्धारित की जाती है जिससे सभी छात्रों और अभिभावकों को स्थिति की जानकारी मिल सकें। इस व्यवस्था को अखिल भारतीय तकनीकी परिषद के द्वारा भी सराहा गया है।

4.2.9 राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संगोष्ठियाँ एवं फैकल्टी डेवल्पमेंट प्रोग्राम का आयोजन

विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर के 19 फैकल्टी डेवल्पमेंट प्रोग्राम एवं कार्यशालायें आयोजित की गईं जिनमें लगभग 1000 शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया।

4.2.10 विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा शोध पत्रों का प्रकाशन

विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर 28 शोध पत्रों का प्रकाशन किया गया।

5. सार संक्षेप

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर नवस्थापित विश्वविद्यालय है जिसकी स्थापना विश्वविद्यालय अधिनियम संख्यांक 29 वर्ष 2017 द्वारा की गई। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वयं माननीय राज्यपाल एवं कुलपति विश्वविद्यालय के प्रधान शैक्षणिक और कार्यपालक अधिकारी हैं। इस विश्वविद्यालय की स्थापना 18 मई 2017 को की गई।

राजस्थान सरकार की मंशानुसार विश्वविद्यालय अध्यापन, शिक्षण–प्रशिक्षण एवं अनुसंधान हेतु प्रयासरत है। इसके लिये विश्वविद्यालय ने हाल ही में तीन नये स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम चालू किये हैं एवं विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के सात विषयों में कुल 390 सीटें उपलब्ध है। विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान गतिविधियों को बढाये जाने हेतु आठ रिसर्च सेंटर भी कार्यरत हैं जिन पर 55 शोधार्थी शोध कार्य कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुल स्वीकृत 91 शैक्षणिक पदों के विरूद्ध 56 नियमित शैक्षणिक अधिकारी कार्यरत हैं एवं अशैक्षणिक के स्वीकृत 70 पदों के विरूद्ध 14 नियमित कर्मचारी कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय द्वारा 15 मार्च के उपरान्त तमाम गतिविधियों यथा शिक्षण–प्रशिक्षण, राष्ट्रीय, अर्न्तराष्ट्रीय संगोष्ठियों का ऑनलाइन माध्यम से आयोजन किया गया। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय ही राज्य मे एक ऐसा तकनीकी विश्वविद्यालय है जिसके संघटक महाविद्यालय में सिरेमिक इंजीनियरिंग का कोर्स संचालित है जिससे बीकानेर के आस–पास सिरेमिक उद्योगों को बढावा देने हेतु सिरेमिक प्रौद्योगिकी में दक्ष अभियन्ता उपलब्ध हो सके हैं।

राज्य सरकार की नीति के अनुसार विश्वविद्यालय मे **सुखी जीवनः–आंनदम** सेल की स्थापना की गई है जिसके तहत पाँच नोडल केन्द्र अजमेर, सीकर, अलवर, जोधपुर एवं बीकानेर कार्यरत है। उक्त सभी नोडल केन्द्रों पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ, विद्यार्थी एवं उनके परिवारजनों को कार्य के साथ–साथ तनाव रहित जीवन जीने के गुर सिखायें जा रहे है।

विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को समाज के प्रति कर्तव्य के लिए सजग बनाने हेतु सामाजिक दायित्व प्रकोष्ठ के द्वारा समय–समय पर विभिन्न गतिविधियां आयाजित की गई जिसके अन्तर्गत 40 दिवसीय ई–कार्निवल सीरिज में कर्मवीर अनुभव वेबीनार सीरीज में ''**Real Heroes Serving Before Self**'' कार्यक्रम एवं ''**Joy of Giving**'' इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गांव पलाना में कोविड़–19 महामारी के बचाव व जागरूकता हेतु समय–समय पर विभिन्न जागरूकता अभियान चलाये व बचाव हेतु मास्क एवं सेनेटाईजर का वितरण कर गांव को सेनेटाइज करवाया गया।

विश्वविद्यालय में सामाजिक नवाचार को बढ़ावा देने हेतु ''खोज प्रकोष्ठ'' के तीन विद्यार्थियों द्वारा नवाचार के रूप में दो ऐप एवं एक सेनेटाइजिंग मशीन का निर्माण भी किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शिक्षा से जोड़े रखने एवं तनाव को दूर करने हेतु विभिन्न संगोष्ठियों को ऑनलाइन माध्यम से आयोजन किया गया । Happiness & Its Fulfillment in Work Culture विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला, लोकल फॉर वोकल एक दिवसीय संगोष्ठी, आत्मनिर्भर भारत सप्ताह जैसे कई ऑनलाईन कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

पॉलिथीन के दुष्प्रभावों से उत्पन्न समस्याओं से निपटने के लिए इकोब्रिक प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। भविष्य में इस प्रोजक्ट को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए विश्वविद्यालय प्रयासरत है। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु 14 राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ करार किये गये हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर के 19 फैकल्टी डेवल्पमेंट प्रोग्राम एवं कार्यशालायें आयोजित की गईं जिनमें लगभग 1000 फैकल्टी एवं विद्यार्थी लाभान्वित हुए एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय स्तर पर 28 शोध पत्रों का प्रकाशन किया गया है।

विश्वविद्यालय के प्रथम सत्र 2018–19 में दोनों सेमेस्टरों में आयोजित हुई परीक्षाओं में लगभग 8400 विद्यार्थियों में से लगभग 4200 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए थे, जिनका उत्तीर्ण प्रतिशतता लगभग 50 प्रतिशत था। माननीय मुख्यमंत्री महोदय की दूरगामी सोच के तहत् कोविड–19 की विषम परिस्थितियों में विद्यार्थी हित में लिये गये निर्णयों के तहत् विश्वविद्यालय ने राज्य सरकार/यूजीसी के मापदण्डों को मानते हुए परिणाम जारी किए, जिसमें सत्र 2019–20 में लगभग 19000 विद्यार्थियों में से लगभग 13000 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जिनका उत्तीर्ण प्रतिशतता लगभग 70 प्रतिशत रहा।